हिमालय के पर्यावरण को बचाने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत

■ यूपीईएस में वैश्विक सम्मेलन हिमालया कालिंग

देहरादून (एसएनबी)। यूपीईएस में 'हिमालया कलिंग ग्लोबल समिट ऑन चैलेंजेस एंड अपर्च्युनिटीज इन द हिमालयन रीजन' विषय वैश्विक सम्मेलन का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय सम्मेलन में हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र को सुरक्षित रखने, जलवायु परिवर्तन से निपटने और संरक्षण के उपायों पर चर्चा की गई।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में पद्मश्री डा. शैलेश नायक ने 'हिमालयन एनवायरनमेंट संरक्षण की ज़रूरत' विषय पर विचार रखे। अन्य सत्रों में पद्मश्री ड. अनूप साह, श्रीश कपूर और प्रोफेसर डा. यूवे थ्रयेन ने हिमालय में स्थिरता के महत्व पर जोर दिया। वाडिया

सम्मेलन में चर्चा करते पर्यावरण विशेषज्ञ।

इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलाजी के पूर्व शोध निदोक पद्मश्री डा. वीसी ठाकुर ने 'हिमालयी क्षेत्र में भूकंप का खतरा और टिकाऊ विकास के लिए समाधान' विषय पर प्रकाश डाला। डा. जीतेंद्र के. पांडे ने पर्यावरण के अनुकूल विकास के लिए रास्ता निकालने पर जोर दिया। सम्मेलन के अंतिम दिन पद्म भूषण डा. अनिल जोशी, यूकोस्ट के महानिदेशक डा. दुर्गेश पंत, यूपीईएस के प्रेसिडेंट डा. सुनील राय, कुलपति डा. राम शर्मा ने भी विचार रखे। उन्होंने खास तौर पर हिमालय के पर्यावरण को बचाने के लिए सही कदम उठाने की जरूरत पर जोर दिया। यूपीईएस के प्रेसिडेंट डा. सुनील राय ने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य एक ऐसा मंच प्रदान करना था जिस पर विशेषज्ञ हिमालय की सुरक्षा और संरक्षण के लिए एकजुट होकर मंथन कर सके। इस दौरान यूपीईएस के कंडोली व विधोली कैंपस में हिमालय की कमजोर होती पारिस्थितिकी पर केंद्रित फोटोग्राफी प्रदर्शनी आयोजित की गई।

सम्मेलन में 170 से अधिक विशेषज्ञ, विचारक व पर्यावरणविद शामिल हुए। इसके अलावा हिमालय के 200 से अधिक स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री भी की गई जिनमें स्थानीय खाद्य पदार्थों से लेकर हस्तशिल्प के उत्पाद शामिल थे।